

سُورَةُ الْجَاثِيَةِ

Surah 45 — Al-Jaathiya (Crouching) · Meccan · 37 Ayahs · Translation: Hindi

1

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

हा मीम

2

تَنْزِيلُ الْكِتَابِ مِنَ اللَّهِ الْعَزِيزِ الْحَكِيمِ

ये किताब (कुरान) खुदा की तरफ से नाज़िल हुई है जो ग़ालिब और दाना है

3

إِنَّ فِي السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ لَآيَاتٍ لِلْمُؤْمِنِينَ

बेशक आसमान और ज़मीन में ईमान वालों के लिए (कुदरते खुदा की) बहुत सी निशानियाँ हैं

4

وَفِي خَلْقِكُمْ وَمَا يَبُتُّ مِنْ دَابَّةٍ آيَاتٌ لِّقَوْمٍ يُوقِنُونَ

और तुम्हारी पैदाइश में (भी) और जिन जानवरों को वह (ज़मीन पर) फैलाता रहता है (उनमें भी) यक़ीन करने वालों के वास्ते बहुत सी निशानियाँ हैं

5

وَأُخْتِلِفَ اللَّيْلُ وَالنَّهَارُ وَمَا أَنْزَلَ اللَّهُ مِنَ السَّمَاءِ مِنْ رِزْقٍ فَأَحْيَا بِهِ الْأَرْضَ بَعْدَ مَوْتِهَا وَتَصْرِيفِ الرِّيحِ آيَاتٌ لِّقَوْمٍ يَعْقِلُونَ

और रात दिन के आने जाने में और खुदा ने आसमान से जो (ज़रिया) रिज़क (पानी) नाज़िल फरमाया फिर उससे ज़मीन को उसके मर जाने के बाद ज़िन्दा किया (उसमें) और हवाओं फेर बदल में अक्लमन्द लोगों के लिए बहुत सी निशानियाँ हैं

6

تِلْكَ آيَاتُ اللَّهِ نَتْلُوهَا عَلَيْكَ بِالْحَقِّ ۖ فَبِأَيِّ حَدِيثٍ بَعْدَ اللَّهِ وَآيَاتِهِ يُؤْمِنُونَ

ये खुदा की आयतें हैं जिनको हम ठीक (ठीक) तुम्हारे सामने पढ़ते हैं तो खुदा और उसकी आयतों के बाद कौन सी बात होगी

وَيْلٌ ۚ لِّكُلِّ أَفَّاكٍ أَثِيمٍ ۚ

जिस पर ये लोग ईमान लाएंगे हर झूठे गुनाहगार पर अफसोस है

يَسْمَعُ ءَايَاتِ اللَّهِ تُتْلَىٰ عَلَيْهِ ثُمَّ يُصِرُّ مُسْتَكْبِرًا ۚ ۱ كَأَن لَّمْ يَسْمَعْهَا ۚ فَبَشِّرْهُ بِعَذَابٍ
أَلِيمٍ ۚ

कि खुदा की आयतें उसके सामने पढ़ी जाती हैं और वह सुनता भी है फिर गुरुर से (कुफ़र पर) अड़ा रहता है गोया उसने उन आयतों को सुना ही नहीं तो (ऐ रसूल) तुम उसे दर्दनाक अज़ाब की खुशखबरी दे दो

وَإِذَا عَلِمَ مِنْ ءَايَاتِنَا شَيْئًا اتَّخَذَهَا هُزُوًا ۚ أُو۟لَٰٓئِكَ لَهُمْ عَذَابٌ مُّهِينٌ ۚ

और जब हमारी आयतों में से किसी आयत पर वाकिफ़ हो जाता है तो उसकी हँसी उड़ाता है ऐसे ही लोगों के वास्ते ज़लील करने वाला अज़ाब है

مِّنۢ وَرَآئِهِمۢ جَهَنَّمُ ۚ وَلَا يُغْنِي عَنْهُمْ مَا كَسَبُوا۟ ۚ شَيْئًا ۚ ۱ وَلَا مَا اتَّخَذُوا۟ ۚ مِنۢ دُونِ
اللَّهِ أَوْلِيَآءَ ۚ وَلَهُمْ عَذَابٌۭ عَظِيمٌ

जहन्नुम तो उनके पीछे ही (पीछे) है और जो कुछ वह आमाँल करते रहे न तो वही उनके कुछ काम आएँगे और न जिनको उन्होंने खुदा को छोड़कर (अपने) सरपरस्त बनाए थे और उनके लिए बड़ा (सख्त) अज़ाब है

هَٰذَا هُدًى ۚ ۱ وَالَّذِينَ كَفَرُوا۟ ۚ بِآيَاتِ رَبِّهِمْ لَهُمْ عَذَابٌ ۚ ۱ مِّنۢ رَّجْزٍ أَلِيمٌ

ये (कुरान) है और जिन लोगों ने अपने परवरदिगार की आयतों से इन्कार किया उनके लिए सख्त किस्म का दर्दनाक अज़ाब होगा

ۚ ۱ اللَّهُ الَّذِي سَخَّرَ لَكُمُ الْبَحْرَ لِتَجْرِيَ الْفُلُكُ فِيهِ بِأَمْرِهِ ۚ ۱ وَلِتَبْتَغُوا۟ ۚ ۱ مِنۢ فَضْلِهِ ۚ ۱
وَلَعَلَّكُمْ تَشْكُرُونَ

खुदा ही तो है जिसने दरिया को तुम्हारे क़ाबू में कर दिया ताकि उसके हुक्म से उसमें कश्तियां चलें और ताकि उसके फ़ज़ल (व क़रम) से (मआश की) तलाश करो और ताकि तुम शुक्र करो

13

وَسَخَّرَ لَكُم مَّا فِي السَّمُوتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ جَمِيعًا ۖ مِنْهُ ۚ إِنَّ فِي ذَٰلِكَ لَآيَاتٍ ۖ لِّقَوْمٍ ۙ يَتَفَكَّرُونَ

और जो कुछ आसमानों में है और जो कुछ ज़मीन में है सबको अपने (हुक्म) से तुम्हारे काम में लगा दिया है जो लोग ग़ौर करते हैं उनके लिए इसमें (कुदरते खुदा की) बहुत सी निशानियाँ हैं

14

قُلْ لِلَّذِينَ ءَامَنُوا ۖ يَغْفِرُوا ۖ لِلَّذِينَ لَا يَرْجُونَ أَيَّامَ اللَّهِ لِيَجْزِيَ قَوْمًا ۖ بِمَا كَانُوا ۖ يَكْسِبُونَ

(ऐ रसूल) मोमिनों से कह दो कि जो लोग खुदा के दिनों की (जो जज़ा के लिए मुकर्रर हैं) तबक्को नहीं रखते उनसे दरगुज़र करें ताकि वह लोगों के आमाल का बदला दे

15

مَنْ عَمِلَ صَالِحًا ۖ فَلِنَفْسِهِ ۖ ۖ وَمَنْ أَسَاءَ فَعَلَيْهَا ۖ ثُمَّ إِلَىٰ رَبِّكُمْ تُرْجَعُونَ

जो शख्स नेक काम करता है तो खास अपने लिए और बुरा काम करेगा तो उस का वबाल उसी पर होगा फिर (आखिर) तुम अपने परवरदिगार की तरफ लौटाए जाओगे

16

وَلَقَدْ ءَاتَيْنَا بَنِي إِسْرَءِيلَ الْكِتَابَ وَالْحُكْمَ وَالنُّبُوَّةَ وَرَزَقْنَاهُمْ مِّنَ الطَّيِّبَاتِ وَفَضَّلْنَاهُمْ عَلَىٰ الْعَالَمِينَ

और हमने बनी इसराईल को किताब (तौरित) और हुकूमत और नबूवत अता की और उन्हें उम्दा उम्दा चीज़ें खाने को दीं और उनको सारे जहाँन पर फ़ज़ीलत दी

17

وَأَتَيْنَاهُم بِبَيِّنَاتٍ مِّنَ الْأَمْرِ ۖ فَمَا اخْتَلَفُوا ۖ إِلَّا مِّنْ بَعْدِ مَا جَاءَهُمُ الْعِلْمُ بَغْيًا ۖ بَيْنَهُمْ ۖ إِنَّ رَبَّكَ يَقْضِي بَيْنَهُمْ يَوْمَ الْقِيَمَةِ فِيمَا كَانُوا ۖ فِيهِ يَخْتَلِفُونَ

और उनको दीन की खुली हुई दलीलें इनायत की तो उन लोगों ने इल्म आ चुकने के बाद बस आपस की ज़िद में एक दूसरे से एख्तेलाफ़ किया कि ये लोग जिन बातों से एख्तेलाफ़ कर रहे हैं क़यामत के दिन तुम्हारा परवरदिगार उनमें फैसला कर देगा

ثُمَّ جَعَلْنَاكَ عَلَىٰ شَرِيعَةٍ ۖ مِّنَ الْأَمْرِ فَاتَّبِعْهَا وَلَا تَتَّبِعْ أَهْوَاءَ الَّذِينَ لَا يَعْلَمُونَ

फिर (ऐ रसूल) हमने तुमको दीन के खुले रास्ते पर कायम किया है तो इसी (रास्ते) पर चले जाओ और नादानों की ख्वाहिशों की पैरवी न करो

إِنَّهُمْ لَن يَغْنُوا ۖ عَنْكَ مِنَ اللَّهِ شَيْءٌ ۖ وَإِنَّ الظَّالِمِينَ بَعْضُهُمْ أَوْلِيَاءُ بَعْضٍ ۖ وَاللَّهُ وَلِيُّ الْمُتَّقِينَ

ये लोग खुदा के सामने तुम्हारे कुछ भी काम न आएँगे और ज़ालिम लोग एक दूसरे के मददगार हैं और खुदा तो परहेज़गारों का मददगार है

هَذَا بَصِيرُ النَّاسِ وَهُدًى ۖ وَرَحْمَةٌ ۖ لِّقَوْمٍ يُوقِنُونَ

ये (कुरान) लोगों (की) हिदायत के लिए दलीलो का मजमूआ है और बातें करने वाले लोगों के लिए (अज़सरतापा) हिदायत व रहमत है

أَمْ حَسِبَ الَّذِينَ اجْتَرَحُوا ۖ السَّيِّئَاتِ أَن نَّجْعَلَهُمْ كَالَّذِينَ ءَامَنُوا ۖ وَعَمِلُوا ۖ الصَّالِحَاتِ سَوَاءً ۖ مَحْيَاهُمْ وَمَمَاتُهُمْ ۖ سَاءَ مَا يَحْكُمُونَ

जो लोग बुरा काम किया करते हैं क्या वह ये समझते हैं कि हम उनको उन लोगों के बराबर कर देंगे जो ईमान लाए और अच्छे अच्छे काम भी करते रहे और उन सब का जीना मरना एक सा होगा ये लोग (क्या) बुरे हुक्म लगाते हैं

وَخَلَقَ اللَّهُ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضَ بِالْحَقِّ وَلِتُجْزَىٰ كُلُّ نَفْسٍ ۖ بِمَا كَسَبَتْ وَهُمْ لَا يُظْلَمُونَ

और खुदा ने सारे आसमान व ज़मीन को हिकमत व मसलेहत से पैदा किया और ताकि हर शख्स को उसके किये का बदला दिया जाए और उन पर (किसी तरह का) जुल्म नहीं किया जाएगा

أَفَرَأَيْتَ مَنْ اتَّخَذَ إِلَهُهُ ۚ هَوَاهُ وَأَضَلَّهُ اللَّهُ عَلَىٰ عِلْمٍ ۚ وَخَتَمَ عَلَىٰ سَمْعِهِ ۚ وَقَلْبِهِ ۚ وَجَعَلَ عَلَىٰ بَصَرِهِ ۚ غِشْوَةً ۚ فَمَنْ يَهْدِيهِ مِنْ ۚ بَعْدَ اللَّهِ ۚ أَفَلَا تَذَكَّرُونَ

भला तुमने उस शख्स को भी देखा है जिसने अपनी नफसियानी ख्वाहिशों को माबूद बना रखा है और (उसकी हालत) समझ बूझ कर खुदा ने उसे गुमराही में छोड़ दिया है और उसके कान और दिल पर अलामत मुकर्रर कर दी है (कि ये ईमान न लाएगा) और उसकी आँख पर पर्दा डाल दिया है फिर खुदा के बाद उसकी हिदायत कौन कर सकता है तो क्या तुम लोग (इतना भी) गौर नहीं करते

وَقَالُوا ۚ مَا هِيَ إِلَّا حَيَاتُنَا الدُّنْيَا نَمُوتُ وَنَحْيَا وَمَا يُهْلِكُنَا إِلَّا الدَّهْرُ ۚ وَمَا لَهُمْ بِذَلِكَ مِنْ عِلْمٍ ۚ إِنْ هُمْ إِلَّا يَظُنُّونَ

और वह लोग कहते हैं कि हमारी ज़िन्दगी तो बस दुनिया ही की है (यहीं) मरते हैं और (यहीं) जीते हैं और हमको बस ज़माना ही (जिलाता) मारता है और उनको इसकी कुछ खबर तो है नहीं ये लोग तो बस अटकल की बातें करते हैं

وَإِذَا تُتْلَىٰ عَلَيْهِمْ ءَايَاتُنَا بَيِّنَاتٍ ۚ مَا كَانَ حُجَّتَهُمْ إِلَّا أَنْ قَالُوا ۚ ائْتُوا ۚ بِآبَائِنَا إِنْ كُنْتُمْ صَادِقِينَ

और जब उनके सामने हमारी खुली खुली आयतें पढ़ी जाती हैं तो उनकी कट हुज्जती बस यही होती है कि वह कहते हैं कि अगर तुम सच्चे हो तो हमारे बाप दादाओं को (जिला कर) ले तो आओ

قُلِ اللَّهُ يُحْيِيكُمْ ثُمَّ يُمِيتُكُمْ ثُمَّ يَجْمَعُكُمْ إِلَىٰ يَوْمِ الْقِيَمَةِ لَا رَيْبَ فِيهِ وَلَكِنَّ أَكْثَرَ النَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ

(ऐ रसूल) तुम कह दो कि खुदा ही तुमको ज़िन्दा (पैदा) करता है और वही तुमको मारता है फिर वही तुमको क़यामत के दिन जिस (के होने) में किसी तरह का शक़ नहीं जमा करेगा मगर अक्सर लोग नहीं जानते

وَلِلَّهِ مُلْكُ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ ۚ وَيَوْمَ تَقُومُ السَّاعَةُ يُومِمْدُ ۚ يَخْسَرُ الْمُبْطِلُونَ

और सारे आसमान व ज़मीन की बादशाहत खास खुदा की है और जिस रोज़ क़यामत बरपा होगी उस रोज़ अहले बातिल बड़े घाटे में रहेंगे

وَتَرَى كُلَّ أُمَّةٍ جَائِيَةً ۚ كُلُّ أُمَّةٍ تُدْعَىٰ إِلَىٰ كِتَابِهَا الْيَوْمَ تُجْزَوْنَ مَا كُنتُمْ تَعْمَلُونَ

और (ऐ रसूल) तुम हर उम्मत को देखोगे कि (फैसले की मुन्तज़िर अदब से) घूटनों के बल बैठी होगी और हर उम्मत अपने नामाए आमाल की तरफ बुलाइ जाएगी जो कुछ तुम लोग करते थे आज तुमको उसका बदला दिया जाएगा

هَذَا كِتَابُنَا يَنْطِقُ عَلَيْكُمْ بِالْحَقِّ ۚ إِنَّا كُنَّا نَسْتَنسِخُ مَا كُنتُمْ تَعْمَلُونَ

ये हमारी किताब (जिसमें आमाल लिखे हैं) तुम्हारे मुक़ाबले में ठीक ठीक बोल रही है जो कुछ भी तुम करते थे हम लिखवाते जाते थे

فَأَمَّا الَّذِينَ ءَامَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ فَيُدْخِلُهُمْ رَبُّهُمْ فِي رَحْمَتِهِ ۚ ذَٰلِكَ هُوَ الْفَوْزُ الْمُبِينُ

गरज़ जिन लोगों ने ईमान कुबूल किया और अच्छे (अच्छे) काम किये तो उनको उनका परवरदिगार अपनी रहमत (से बेहिश्त) में दाखिल करेगा यही तो सरीही कामयाबी है

وَأَمَّا الَّذِينَ كَفَرُوا ۖ أَفَلَمْ تَكُنْ ءَايَتِي تُلَىٰ عَلَيْكُمْ فَاسْتَكْبَرْتُمْ وَكُنتُمْ قَوْمًا مُّجْرِمِينَ

और जिन्होंने कुफ़्र एख्तेयार किया (उनसे कहा जाएगा) तो क्या तुम्हारे सामने हमारी आयतें नहीं पढ़ी जाती थीं (ज़रूर) तो तुमने तकबुर किया और तुम लोग तो गुनेहगार हो गए

وَإِذَا قِيلَ إِنَّ وَعْدَ اللَّهِ حَقٌّ ۖ وَالسَّاعَةُ لَا رَيْبَ فِيهَا قُلْتُمْ مَا نَدْرِي مَا السَّاعَةُ ۖ إِن نَّظُنُّ إِلَّا ظَنًّا ۖ وَمَا نَحْنُ بِمُستَيْقِنِينَ

और जब (तुम से) कहा जाता था कि खुदा का वायदा सच्चा है और क़यामत (के आने) में कुछ शुबहा नहीं तो तुम कहते थे कि हम नहीं जानते कि क़यामत क्या चीज़ है हम तो बस (उसे) एक ख्याली बात समझते हैं और हम तो (उसका) यक़ीन नहीं रखते

وَيَدَا لَهُمْ سَيِّئَاتُ مَا عَمِلُوا ۖ وَحَاقَ بِهِمْ مَا كَانُوا بِهِ ۚ يَسْتَهْزِءُونَ

और उनके करतूतों की बुराईयाँ उस पर ज़ाहिर हो जाएँगी और जिस (अज़ाब) की ये हँसी उड़ाया करते थे उन्हें (हर तरफ से) घेर लेगा

وَقِيلَ الْيَوْمَ نَنْسِكُمْ كَمَا نَسِيتُمْ لِقَاءَ يَوْمِكُمْ هَذَا وَمَأْوَاكُمُ النَّارُ وَمَا لَكُم مِّنْ^١
نَّصِيرِينَ

और (उनसे) कहा जाएगा कि जिस तरह तुमने उस दिन के आने को भुला दिया था उसी तरह आज हम तुमको अपनी रहमत से अमदन भुला देंगे और तुम्हारा ठिकाना दोज़ख है और कोई तुम्हारा मददगार नहीं

ذَلِكُمْ بِأَنَّكُمْ اتَّخَذْتُمْ آيَاتِ اللَّهِ هُزُوًا^٢ ۖ وَغَرَّتْكُمُ الْحَيَاةُ الدُّنْيَا^٣ ۚ فَالْيَوْمَ لَا يُخْرَجُونَ^٤
مِنْهَا وَلَا هُمْ يُسْتَعْتَبُونَ

ये इस सबब से कि तुम लोगों ने खुदा की आयतों को हँसी ठट्ठा बना रखा था और दुनियावी ज़िन्दगी ने तुमको धोखे में डाल दिया था गरज़ ये लोग न तो आज दुनिया से निकाले जाएँगे और न उनको इसका मौका दिया जाएगा कि (तौबा करके खुदा को) राज़ी कर ले

فَلِلَّهِ الْحَمْدُ رَبِّ السَّمَوَاتِ وَرَبِّ الْأَرْضِ رَبِّ الْعَالَمِينَ

पस सब तारीफ़ खुदा ही के लिए सज़ावार है जो सारे आसमान का मालिक और ज़मीन का मालिक (गरज़) सारे जहाँ का मालिक है

وَلَهُ الْكِبْرِيَاءُ فِي السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ^٥ ۖ وَهُوَ الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ

और सारे आसमान व ज़मीन में उसके लिए बड़ाई है और वही (सब पर) ग़ालिब हिकमत वाला है